किसान न्याय रैली

10 अक्टूबर, रविवार

समय - सुबह 11:00 बजे

स्थान - इंटर कॉलेज मैदान, जगतपुर, बनारस

मेरे प्रिय किसान बहनों-भाइयों,

आप अन्नदाता हैं, देश की आत्मा हैं। जब भी देश मुश्किल में होता है, आप देश को शक्ति देते हैं। इतिहास गवाह है कि अवध किसान आंदोलन, चंपारण सत्याग्रह, खेड़ा सत्याग्रह से लेकर भारत छोड़ो आंदोलन तक किसानों की भूमिका निर्णायक थी।

इन्हीं आंदोलनों से किसानों-मजदूरों के आशीर्वाद से कांग्रेस पार्टी बनी और खड़ी हुई। जब भी किसानों पर संकट आया है, सबसे पहले कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी हुई है।

आज किसानों और देश के गरीबों पर एक बड़ा संकट आया है। लखीमपुर खीरी में जिस तरह से आंदोलनकारी किसानों को एक केंद्रीय मंत्री के बेटे की गाड़ी ने कुचला है, वह नरसंहार है। तीन काले कृषि कानूनों से किसानों को दबाने की कोशिश नाकाम होने के बाद ही गाड़ी से कुचलने का विचार आया है। किसानों को दबाने और कुचलने की भाजपा सरकारों की मंशा हम पूरी नहीं होने देंगे।

किसान को न्याय चाहिए। उनको न्याय दिलाने के लिए मैं ख़ुद हर लड़ाई में उनके साथ खड़ी रहूंगी। मैं न्याय की आवाज़ को दबने नहीं दूंगी।

आइए, अहंकारी, अत्याचारी और किसान विरोधी भाजपा सरकार को बता दें कि किसानों की आवाज़ को दुनिया की कोई ताकत दबा नहीं सकती।

10 अक्टूबर, रविवार को बनारस की किसान रैली में शामिल होकर न्याय की आवाज़ को बुलंद कीजिए।

किसान लड़ेगा और किसान जीतेगा।

जय किसान, जय जवान, जय हिंद

प्रियंका गाँधी वाद्रा

अजय कुमार मिश्रा टेनी को बर्खास्त करो

लखीमपुर नरसंहार के हत्यारों को गिरफ्तार करो

तीन काले कृषि कानूनों को वापस लो

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी